राजदूत संजय

प्र.1) रिक्त स्थानों की पूर्ति करें।

अ) "यही न्यायोचित है कि उन्हें उनका राज्य वापस दे दिया जाए।

आ) भीष्म की बात कर्ण को अप्रिय लगी।

इ) श्रीकृष्ण दोनों पक्षों के लोगों के हितचिंतक हैं।

ई) संधि करना ही उचित है।

उ) तुम्हारे पास तो फिर भी पूरा-का-पूरा राज्य रह जाता है।

ऊ) मुझे भय है कि कहीं वह आप पर भी प्रहार न कर दें।

ए) वह तो आपकी मित्रता चाहते हैं।

ऐ) मैं स्वयं हस्तिनापुर जाना उचित समझता हूँ।

ओ) इतना कहकर श्रीकृष्ण हस्तिनापुर के लिए विदा हुए।

प्र.2) किसने किससे कहा।

अ) वे लड़ना नहीं चाहते।
पांचाल नरेश के पुरोहित ने कौरवों से कहा।

आ) राधा-पुत्र! तुम बेकार की बात कर रहे हो।
भीष्म ने कर्ण से कहा।

इ) संजय तुम पांडु-पुत्रों के पास जाओ।
धृतराष्ट्र ने संजय से कहा।

ई) वह तो आपकी मित्रता चाहते हैं।
संजय ने युधिष्ठिर से कहा।

उ) मैं तो संधि ही चाहता हूँ।
युधिष्ठिर ने संजय से कहा।

ऊ) मैं स्वयं हस्तिनापुर जाना उचित समझता हूँ।
श्रीकृष्ण ने संजय और युधिष्ठिर से कहा।

ए) बेटा, भीष्म पितामह जो कहते हैं, वही करने योग्य है।
धृतराष्ट्र ने दुर्योधन से कहा।

ऐ) यदि मैं सफल हुआ, तो इससे सारे संसार का कल्याण होगा।
श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर से कहा।

ओ) मैं दुर्योधन से भली-भाँति परिचित हूँ।
श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर से कहा।

औ) इसलिए मेरा तो जाना ठीक होगा।
श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर से कहा।

प्र.3) समानार्थी शब्द लिखें।

अ) प्रस्ताव- कोशिश
आ) संधि- सुलह
इ) कुशल- निपुण
ई) संदेश- खबर
उ) विनय- फतह
ऊ) घृणा- द्वेष
ए) चेष्टा- उद्यम
ऐ) प्रसन्न- आनंद
ओ) हिस्सा- अंश
औ) सफल- विजयी

प्र.4) दिए गए शब्दोंसे वाक्य तैयार करें।

अ) संधि- श्रीकृष्ण ने कौरवों के सामने संधि-प्रस्ताव रखें।

आ) अप्रिय- पांडवों को तेरह बरस वनवास भेजना यह घटना सबको अप्रिय लगी।

इ) हितचिंतक- श्रीकृष्ण कौरव और पांडव दोनों के हितचिंतक थे।

ई) आयोजन- शिक्षकों ने वार्षिक कार्यक्रमोंका आयोजन किया।

उ) उपदेश- आई. बाबा ने सभी बच्चों को उपदेश किया।